सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरूषार्थ

प्रथम सप्ताह

स्वमान -मैं तन, मन, धन, जन का भाग्य प्राप्त आत्मा हूँ।

शिवभगवानुवाच -'भाग्य विधाता बाप आप बच्चों पर राजी हुआ है। उसकी निशानी है ऐसे मास्टर भाग्य विधाता बच्चों के मस्तक पर सदा भाग्य का सितारा चमकता रहता है अर्थात उनकी मूर्त और सूरत से सदा रूहानी चमक दिखाई देती है। मूरत से सदा राजी रहने के फीचर्स दिखाई देंगे। सूरत से सदा रूहानी सीरत अनुभव होगी। इसको कहते हैं मस्तक में चमकता हुआ भाग्य का सितारा। हर बात में तन, मन, धन, जन -चारों रूप से अपना भाग्य अनुभव करेंगे।'

तन का भाग्य - तन का हिसाब किताब कभी प्राप्ति वा पुरूषार्थ के मार्ग में विघ्न अनुभव नहीं होगा। तन कभी भी सेवा से वंचित होने नहीं देगा। कर्मभोग के समय भी ऐसे भाग्यवान किसी न किसी प्रकार से सेवा के निमित्त बनेंगे।

मन का भाग्य - मन सदा हर्षित रहेगा। क्योंकि भाग्य के प्राप्ति की निशानी हर्षित रहना ही है। जो भरपूर होता है वह सदा ही मन से मुस्कुराता रहता है। मन के भाग्यवान सदा इच्छा-मात्रम अविद्या की स्थिति वाले होते हैं। भाग्यविधाता के राजी होने के कारण सर्व प्राप्ति सम्पन्न अनुभव करने के कारण मन का लगाव व झुकाव व्यक्ति या वस्तु के तरफ नहीं होगा। इसको ही सार रूप में कहते हो 'मनमनाभव'।

मन को बाप की तरफ लगाने में मेहनत नहीं होगी लेकिन सहज ही मन बाप की मुहब्बत के संसार में रहेगा। 'एक बाप दूसरा न कोई' -इसी अनुभूति को मन का भाग्य कहते हैं।

धन का भाग्य - ज्ञान धन तो है लेकिन स्थूल धन का भी महत्व है। धन के भाग्य का अर्थ यह नहीं कि ब्राह्मण जीवन में लाखों पति वा करोड़पति बनेंगे। लेकिन धन के भाग्य की निशानी है कि संगमयुग पर जितना आप ब्राह्मण आत्माओं को खाने-पीने और आराम से रहने के लिए आवश्यकता है, उतना आराम से मिलेगा। और साथ-साथ धन चाहिए सेवा के लिए। तो सेवा के लिए भी कभी समय पर कमी वा खींचातान अनुभव नहीं करेंगे। कैसे भी, कहाँ से भी , सेवा के समय पर भाग्यविधाता बाप किसको निमित्त बना ही देते हैं। धन के भाग्यवान कभी भी अपने 'नाम' की वा 'शान' की इच्छा के कारण सेवा नहीं करेंगे। अगर नाम-शान की इच्छा है तो ऐसे समय पर भाग्य विधाता सहयोग नहीं दिलायेगा। आवश्यकता और इच्छा में रात-दिन का अंतर है। सच्ची आवश्यकता है और सच्चा मन है तो कोई भी सेवा के कार्य में सफल होगा ही लेकिन भण्डारी में और ही भरपूर हो जायेगा, बचेगा। इसलिए गायन है 'शिव के भण्डारे और भण्डारी सदा भरपूर'। तो सच्ची दिल वालों की और सच्चे साहेब के राजी होने की निशानी है -'भण्डारा भी भरपूर, भण्डारी भी भरपूर'। यह है धन के भाग्य की निशानी।

जन का भाग्य - जन अर्थात ब्राह्मण परिवार वा लौकिक परिवार, लौकिक सम्बन्ध में आने वाली आत्माएं वा अलौकिक सम्बन्ध में आने वाली आत्माएं। तो जन द्वारा भाग्यवान की पहली निशानी है -जन के भाग्यवान आत्मा को जन द्वारा सदा स्नेह और सहयोग की प्राप्ति रहेगी। कम से कम 95 प्रतिशत आत्माओं से प्राप्ति का अनुभव अवश्य होगा। पहले भी सुनाया था कि पांच प्रतिशत आत्माओं का हिसाब-किताब भी चुक्तु होता है। इसलिए उन्होने द्वारा कभी स्नेह मिलेगा, कभी परीक्षा भी होगी। लेकिन पांच प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। ऐसी आत्माओं से भी धीरे-धीरे शुभभावना-शुभकामना द्वारा हिसाब चुक्तु करते रहो। तो भाग्यवान आत्मा की निशानी है -जन के रहे हुए हिसाब-किताब को सहज चुक्तू करते रहना और बाकी आत्माओं द्वारा सदा स्नेह और सहयोग की अनुभूति करना। जन के भाग्यवान आत्माएं, जन के सम्पर्क-सम्बन्ध में आते 'सदा प्रसन्न रहेंगी', प्रश्नचित्त नहीं लेकिन प्रसन्नचित्त -यह ऐसा क्यों करता वा क्यों कहता, यह बात ऐसे नहीं, ऐसे होनी चाहिए। ऐसे प्रश्न उठने वाले को प्रश्नचित्त कहा जाता है। प्रश्नचित्त कभी सदा प्रसन्न नहीं रह सकता। उसके चित्त में सदा 'क्यों' की लाइन लगी रहती है। इसलिए इस व्यर्थ की रचना को कंट्रोल करो।

द्वितीय सप्ताह

स्वमान -मैं इस तन में अवतरित फरिश्ता हूँ।

योगाभ्यास -फरिश्ता बनकर बाबा के पास जाना और स्वयं को चार्ज करके वापस आना...सारे संसार को सकाश देना। दिन में पच्चीस बार इसका अभ्यास करें।

प्रतिदिन के लिए सुंदर अभ्यास -सोमवार -शक्तियों का फरिश्ता बनकर सर्व आत्माओं को शक्ति देना।

मंगलवार -शांति का फरिश्ता बनकर शांति के वायब्रेशन्स देना।

बुधवार -पवित्रता का फरिश्ता बनकर सर्व को पवित्रता के वायब्रेशन्स देना।

गुरूवार -सुख का फरिश्ता बनकर सबको सुख देना।

शुक्रवार -ज्ञान का फरिश्ता बनकर ज्ञान देना।

शनिवार -प्रेम का फरिश्ता बनकर सर्व आत्माओं को प्रेम देना।

रविवार -वरदानी फरिश्ता बनकर सबको वरदान देना।

अमृतवेले बापदादा का अपने सामने आहवान कर उनसे बातें करते हुए उनके प्यार में मगन हो जाना। रूहानी ड्रिल करें। अभी-अभी फरिश्ता और अभी-अभी निराकारी।

चिन्तन -खुशी गुम क्यों होती है? खुशी को निरंतर कायम रखने के लिए दस प्वाइंट्स लिखें।

तीव्र पुरूषार्थियों के प्रति - प्रिय आत्मन्! अब हम सभी विश्व कल्याणकारी आत्मायें विश्व को सकाश दिया करेंगे ताकि सर्व आत्मायें मुक्ति और जीवन मुक्ति का वर्सा प्राप्त कर सकें।

सत्यम शिवम सुंदरम...

लगाने में मीडिया की भूमिका' विषय पर सम्बोधन के दौरान कहा कि सकारात्मक सोच में आत्मबल के सहारे कोई भी लक्ष्य प्राप्त करना असंभव नहीं है। संस्था को साधुवाद देते हुए उन्होने कहा कि केवल ब्रह्माकुमारी संस्था ही मीडिया को प्रति वर्ष आत्म-चिंतन करने का मंच प्रदान करता है। संस्था यह महसूस करती है कि स्वयं परिवर्तन के सहारे विश्व परिवर्तन लाने की शक्ति मीडिया में हैं लेकिन उसका सही एहसास कराना होगा। मीडिया अर्धसत्य को सत्य की तरह प्रस्तुत करता है। स्वार्थ पोषित सूचनाओं का प्रसार हो रहा है। हमारी शक्ति का नकारात्मक प्रयोग बंद होना चाहिए।

युग प्रभात के संपादक जीवन साहू ने कहा कि मॉरीशस में ले जाये गये असंख्य भारतीयों ने अपनी संस्कृति नहीं छोड़ी। इसी कारण उनमें से ही अंतत: प्रधानमंत्री का चयन हुआ। नेताओं को भ्रष्टाचार व अपसंस्कृति के लिए जिम्मेवार ठहराते हुए उन्होने कहा कि अढ़ाई सौ से अधिक बहुदेशीय कम्पनियां प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय संस्कृति पर प्रहार कर रही हैं। मीडिया अपने आत्मबल व दृढ़ शक्ति से इसके वेग को थाम सकता है। हमें विश्वास रखना चाहिए कि भारतीय संस्कृति पर भले ही धूल जम जाये लेकिन वह कभी नष्ट नहीं होगी।

जामगगर। जिला पंचायत प्रमुख डॉ.पी.वी.वसोया, श्रीमती जयबाला, ब्र.कु.अरूण, ब्र.कु.सुषमा, ब्र.कु.जयंति शाश्वत यौगिक खेती कार्यक्रम में।

तासगांव। ब्र.कु.डॉ.वैशाली को 'अनमोल रत्न' पुरस्कार से सम्मानित करते हुए ग्राम विकास मंत्री जयंतराव पाटिल।

भबात (चण्डीगढ़)। खुशहाल जीवन कार्यक्रम में विधायक एन.के.शर्मा, मेहर मित्तल, कमेटी प्रधान कुलविन्द्र सिंह सोही तथा ब्र.कु.हरविन्दर।

चूरू। ब्र.कु.पीयूष कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए। मंच पर हैं गर्ल्स कालेज के निदेशक सोहन सिंह, पालिटिकल कालेज के प्रिंसीपल ओमप्रकाश तंवर, ब्र.कु.सुमन तथा ब्र.कु.दर्शिता।

पेठ तउगांव। व्यसनमुक्ति रैली के उद्घाटन कार्यक्रम में वैद्यकीय अधिकारी नूतन पोरे को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.डॉ.रश्मि व ब्र.कु.रानी।

जयपुर (कमल अपार्टमेंट)। महिला मण्डल कार्यकारिणी समिति के नव निर्वाचित सदस्यों के साथ ब्र.कु.पूनम, ब्र.कु.अर्चना तथा अन्य।

फलोदी। शोभा यात्रा को रवाना करते हुए नगरपालिका बिल्डिंग कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश बोहरा, पार्षद बृजमोहन, ब्र.कु.अनिता।